Seat No. : ____________

MA-14
Hindi Paper-III

Time : 3 Hours] **[Total Marks: 100**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. वक्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके भेद बताइए । **20**

अथवा

ध्वनि का स्वरूप उजागर करते हुए गुणीभूत व्यंग्य को सोदाहरण समझाइए ।

2. कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए । **20**

अथवा

ट्रेजेडी की परिभाषा देते हुए उसके लक्षण स्पष्ट कीजिए ।

3. रीतिकालीन काव्यशास्त्र की महत्ता स्पष्ट कीजिए । **20**

अथवा

'आधुनिक हिन्दी आलोचना पर मुख्यत: पाश्चात्य साहित्य चिंतन का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है ।' इस कथन के आलोक में किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित लघु-प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **20**

(1) केशवदास **अथवा** ब्रजभाषा पाठशाला **5**

(2) विखंडनवाद **अथवा** अभिव्यंजनावाद **5**

(3) काव्य हेतु **अथवा** काव्य के प्रकार **5**

(4) 'तद्विदआह्लादकारित्त्व' **अथवा** 'विशिष्टो गुणात्या' **5**

5. निम्नलिखित वस्तुगत प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **20**

(1) सुमेलित कीजिए :

पाठ	–	स्वच्छन्दतावाद
लेंगुई	–	आदर्शवाद
कल्पना विलास	–	विखंडनवाद
मृत्यबोध	–	संरचनावाद
		अस्तित्त्ववाद

(2) सहजज्ञान का संबंध किससे है । [रहस्यवाद, छायावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद]

(3) 'गॉड इज़ डेड' किसकी उक्ति है । [सार्त्र, किर्केगार्ड, यास्पर्स, नीत्शे]

(4) इनमें से कौन-सा उदात्त का अवरोधक तत्त्व नहीं है ? [शब्दाडंबर, भावाडंबर, बालिश्ता, बालेयता]

(5) 'बरवै नायिका' ___________ की रचना है । [रसखान, तुलसीदास, बिहारी, रहीम]

(6) _______ से हिन्दी काव्यशास्त्र का आरंभ माना जाता है । [केशवदास, नंददास, कृपाराम, सूरदास]

(7) सुमेलित कीजिए :

द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद	:	वर्ड्स्वर्थ
काव्य में निर्वैयक्तिकता	:	मार्क्स
गौण कल्पना	:	इलीयट
संप्रेषण का सिद्धान्त	:	कॉलरिज
	:	रिचर्ड्स

(8) भारतेन्दु के आलोचना ग्रंथ का नाम बताइए ।

(9) 'श्रृंगार निर्णय' किसकी रचना है ?

(10) 'काव्य के रूप' किसका ग्रंथ है ?

(11) 'तद्विदआह्लाद कारिणी' का संबंध औचित्य से है । [सही / गलत]

(12) जुगुप्सा भयानक रस का स्थायी भाव है । [सही / गलत]

(13) 'काव्यालंकार' दंडी के ग्रंथ का नाम है । [सही / गलत]

(14) जिस काव्य में श्रृंगार आदि रसों का उदय स्पष्ट रूप से दिखाया गया हो उसे ___________ अलंकार कहते हैं । [ऊर्जस्वी, प्रेयस, रसवत्, अर्थालंकार]

(15) विभावादि के साधारणीकरण की बात सर्वप्रथम किसने कही ?
[अभिनवगुप्त, भट्ट नायक, आनंदवर्द्धन, भट्ट तौत]

(16) सभी अलंकारों का सामान्य तत्त्व क्या है ? [वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति, लक्षणा, इनमें से कोई नहीं]

(17) औचित्य के कितने स्थान हैं ?

(18) 'काव्यालंकार सूत्रवृत्ति' किसकी रचना है ? [दंडी, कुन्तक, जगन्नाथ, वामन]

(19) रीति के प्रमुख कितने भेद हैं ? [दो, तीन, पाँच, सात]

(20) गुणों की संख्या मुख्यत: कितनी मानी जाती है ? [दस, पाँच, सात, तीन]